माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी ने किया नमामि गंगे एसटीपी का औचक निरीक्षण

माननीय मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी द्वारा गुरूवार दिनांक 23.07.2020 को ऋषिकेश नगर में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्मित 7.5 एम.एल.डी. क्षमता के मल्टीलेबल सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट (एस.टी.पी.) औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। 12 करोड की लागत से निर्मित इस एस.टी.पी. से चन्द्रेश्वर नाला, ढ़ालवाला नाला एवं श्मशान घाट नाला को टेप करने के बाद शोधन किया जा रहा है। शोधित जल की गुणवत्ता मानको के अनुरूप होने पर ही गंगा नदी में छोडा जा रहा है। यह भारत का पहला एस.टी.पी. है, जिसे बहुमंजिला ईमारत के रूप में तैयार किया गया है। इसकी ऊचांई 21 मीटर है। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जी नमामि गंगे के अधिकारियों से एस.टी.पी. के कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली गयी तथा एस.टी.पी. से शोधित जल की गुणवत्ता को भी देखा।

एस.टी.पी. के निरीक्षण के उपरान्त पत्रकारों से वार्ता के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कहा गया कि माॅं गंगा का पानी गोमुख से लेकर गंगा सागर तक पीन योग्य हो इसलिए माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी नमामि गंगे कार्यक्रम चलाया गया, जिसके अन्तर्गत गंगा तट पर अवस्थित शहरों में एस.टी.पी. प्लान्ट लगाये गये है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कानपुर में एशिया के सबसे बडे नालें सीसामाऊ का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार सीसमाऊ नाले को टैप कर वहां सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है उसी प्रकार चन्द्रेश्वर नाले को भी टैप किया जा रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ स्थलीय निरीक्षण कार्यक्रम में श्री प्रेम चन्द अग्रवाल, माननीय अध्यक्ष, विधानसभा, उत्तराखण्ड, श्रीमती अनिता मंमगाई, माननीया महापौर, नगर निगम ऋषिकेश तथा श्री उदय राज सिंह अपर सचिव पेयजल/कार्यक्रम निदेशक, राज्य परियोजना प्रबन्धन गुरप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड भी मौजूद रहे। इनके अतिरिक्त नमामि गंगे कार्यक्रम के कार्यदायी

विभाग, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के अधिकारी श्री बीसी पुरोहित जी मुख्य अभियन्ता पेयजल विभाग उत्तराखण्ड, श्री के.के. रस्तोगी, महाप्रबन्धक, निर्माण मण्डल (गंगा), हरिद्वार श्री संदीप कश्यप, परियोजना प्रबन्धक, निर्माण ईकाई (गंगा), ऋषिकेश, श्री सचिन कुमार, परियोजना प्रबन्धक मैकेनिकल तथा राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के अधिकारी श्री पीयूष कुमार सिंह, रीवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट विशेषज्ञ एवं श्री पूरन चन्द्र कापड़ी, संचार विशेषज्ञ भी मौजूद रहें।